करेंट अफेयर्स

राजस्थान

(संग्रह)

मई

2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

राजस्थान **3**

- अंडर-20 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता 3
- मिशन परिंदा अभियान 3
- राजस्थान में मलेरिया उन्मूलन 4
- एलीट्स स्मार्ट गवर्नमेंट एक्सीलेंस अवार्ड 5
- RVUNL के साथ विद्युत खरीद समझौता 6
- कोटा में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा 6
- महाराणा प्रताप जयंती 7
- कृषक उपहार योजना 8
- राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2025 9
- राजस्थान में स्थायी लोक अदालतों का अक्रियाशील होना 10
- कोटा में प्रधानमंत्री दिव्यशा केंद्र (PMDK) 12
- राजस्थान में विकास परियोजनाएँ 13
- अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 2025 16
- तनोट माता मंदिर और जैसलमेर किला 18
- भांड देवरा मंदिर का जीर्णोद्धार 19
- केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान 22
- आना सागर झील के निकट वेटलैंड्स को मंजूरी 24
- बालोतरा में नगर सुधार न्यास (UIT) 26
- ओरण भूमि वन के रूप में वर्गीकृत 28
- केर सांगरी को GI टैग प्राप्त 29

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

राजस्थान

अंडर-20 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता

चर्चा में क्यों ?

20 से 22 अप्रैल 2025 तक राजस्थान राज्य कुश्ती संघ के तत्त्वावधान में अंडर-20 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता राजस्थान के कोटा ज़िले में आयोजित की गई।

मुख्य बिंदु

- **प्रतियोगिता के बारे में:**
  - **इसका आयोजन भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI - Wrestling Federation of India) द्वारा किया जाता है।**
  - **यह आयोजन पहली बार राजस्थान के** कोटा ज़िले के **रघुराई एंडो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स** में किया गया।
  - इसमें **26 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों** के 800 से अधिक पहलवानों ने भाग लिया।
  - पुरुषों के **ग्रीकोरोमन** और **फ्री स्टाइल** तथा **महिला फ्री स्टाइल** वर्गों में मुकाबले आयोजित हुए।
  - प्रत्येक वर्ग में **10-10 वेट कैटेगरी** थीं।
- **विजेता**
  - इस प्रतियोगिता में **हरियाणा** ने कुल **16 स्वर्ण पदक** जीतकर **प्रथम स्थान** प्राप्त किया।
  - **दिल्ली** ने कुल **6 स्वर्ण पदक** जीतकर **द्वितीय स्थान** जबकि **उत्तर प्रदेश** ने **3 स्वर्ण पदक** जीतकर **तृतीय स्थान** प्राप्त किया।

भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI):

- WFI भारत में कुश्ती की शासी निकाय है। इसका **मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित** है।
- **इसे भारत सरकार और भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा मान्यता प्राप्त है।**
- यह विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कुश्ती प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है जिनमें **प्रो रेसलिंग लीग, राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप और एशियाई चैंपियनशिप** शामिल हैं।
- WFI **ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले भारतीय पहलवानों का समर्थन और प्रशिक्षण** भी प्रदान **करता है**।

मिशन परिंदा अभियान

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान के बारां ज़िला प्रशासन द्वारा पंचायती राज दिवस के अवसर पर **'मिशन परिंदा'** अभियान का शुभारंभ किया गया।

मुख्य बिंदु

- **अभियान के बारे में:**
  - इस अभियान का उद्देश्य **पक्षियों को गर्मी में पानी उपलब्ध** कराना और पर्यावरण संरक्षण **तथा** जैवविविधता के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- अभियान के पहले चरण में **सभी सरकारी कार्यालयों** में **पानी के पात्र** लगाए जाएंगे जिनमें नियमित रूप से **ठंडा पानी** भरा जाएगा।
- दूसरे चरण में **घोंसले** लगाए जाएंगे, जो खास तौर पर **गर्मियों** में पक्षियों के लिये सुरक्षा और आराम का माध्यम होंगे। ये घोंसले विशेष रूप से घास तथा नारियल के रेशों से बनाए जाएंगे।
- ज़िला प्रशासन ने आम लोगों से भी इस अभियान से जुड़ें और अपने घरों तथा कार्यस्थलों पर **पानी के पात्र लगाने** की अपील की है।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस:

- 24 अप्रैल को मनाया जाने वाला यह दिवस **73वें संविधान संशोधन अधिनियम,** 1992 के अधिनियमन का प्रतीक है, जिसके माध्यम से **पंचायती राज संस्थाओं (PRI)** को सांविधिक प्रस्थिति प्रदान की गई।
- इसका पहला आयोजन **वर्ष** 2010 में किया गया था।

राजस्थान में मलेरिया उन्मूलन

चर्चा में क्यों

विश्व मलेरिया दिवस 2025 के अवसर पर **राजस्थान** को **राष्ट्रीय स्तर पर** मलेरिया उन्मूलन **के लिये श्रेणी-1** में शामिल किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **मलेरिया मामलों में भारी गिरावट:**
  - मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी मौसमी बीमारियों से निपटने के लिये किये गये प्रभावी उपायों और नवाचारों के चलते राजस्थान अब मलेरिया उन्मूलन में देश के **अग्रणी राज्यों** में शामिल हो गया है।
  - राज्य जनस्वास्थ्य निदेशक के अनुसार, **2024 में जहाँ 2213 मलेरिया मामले** दर्ज हुए थे, वहीं **2025 में अब तक केवल 59 मामले** ही सामने आए हैं।
- **जनजागरूकता अभियान की सफलता:**
  - IEC गतिविधियों (Information, Education, Communication) के अंतर्गत **लार्वा प्रदर्शन**, **ऑडियो-वीडियो प्रचार**, **पंपलेट** और **पोस्टर** जैसे माध्यमों से आमजन को सजग किया गया, जिससे बीमारी की रोकथाम मज़बूत हुई।
  - 1 अप्रैल 2025 से पूरे राज्य में **एंटी लार्वा छिड़काव**, **फोकल स्प्रे**, **फॉगिंग** और **सोर्स रिडक्शन** गतिविधियाँ की गईं। यह प्रोग्राम शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में प्रभावी रहा।
- **हाई रिस्क ज़िलों में विशेष ध्यान:**
  - अलवर, बालोतरा, बाड़मेर, बीकानेर, जैसलमेर, प्रतापगढ़, सलूंबर, श्रीगंगानगर और उदयपुर जैसे 9 उच्च जोखिम वाले ज़िलों में दो चरणों में **इंडोर रेजिड्यूअल स्प्रे (IRS)** किया गया, जिससे संक्रमण स्रोतों को नियंत्रित किया गया।

मलेरिया

- मलेरिया ***प्लास्मोडियम परजीवी*** के कारण होने वाला एक जानलेवा रोग है, जो संक्रमित मादा **एनोफिलीज मच्छरों** के काटने से फैलता है।
  - ***प्लास्मोडियम परजीवी** की* पाँच प्रजातियाँ हैं, जो मनुष्यों में मलेरिया का कारण बनती हैं तथा साथ ही इनमें से 2 परजीवी प्रजातियाँ ('पी.फाल्सीपरम'-P. Falciparum एवं 'पी.वीवाक्स'-P Vivax) ज़्यादा खतरनाक होती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- मलेरिया मुख्य रूप से **अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और एशिया के** उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है।
  - जब मच्छर किसी संक्रमित व्यक्ति को काटता है, तो वह भी संक्रमित हो जाता है। जिस व्यक्ति को यह मच्छर काटता है, उसके शरीर में मलेरिया के परजीवी प्रवेश कर जाते हैं। लीवर में पहुँचने के बाद, परजीवी विकसित होते हैं और **लाल रक्त कोशिकाओं** को संक्रमित करते हैं।
- बुखार और फ्लू जैसे लक्षण, जैसे **ठंड लगना, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द और थकान, मलेरिया के लक्षण** हैं। उल्लेखनीय है कि मलेरिया का इलाज संभव है और इससे बचा जा सकता है।

विश्व मलेरिया दिवस

- यह प्रतिवर्ष **25 अप्रैल** को मनाया जाता है। इसकी स्थापना विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा मलेरिया के बारे में लोगों को अधिक जागरूक करने और इसके उन्मूलन हेतु कार्रवाई करने के लिये वर्ष 2007 में की गई थी।
- **विश्व मलेरिया दिवस 2025** का **विषय** है **"मलेरिया एंड्स विथ असः रीइन्वेस्ट, रीइमेजिन, रीइग्नाइट"**।

एलीट्स स्मार्ट गवर्नमेंट एक्सीलेंस अवार्ड

चर्चा में क्यों?

राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RMSCL) को **एलीट्स स्मार्ट गवर्नमेंट एक्सीलेंस अवार्ड, 2025** से सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **अवार्ड के बारे में:**
  - यह **अवार्ड एलिट्स टेक्नोमीडिया**, *ई-गवर्नमेंट* मैगज़ीन के *एडिटर इन चीफ*, राजस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार **विभाग** तथा **कार्मिक विभाग** के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया।
  - **RMSCL को** यह अवार्ड स्वास्थ्य सेवाओं में तकनीकी नवाचारों के लिये प्रदान किया गया है, जैसे कि **ई-औषधि** और **ई-उपकरण सॉफ़्टवेयर**।
- **ई-औषधि सॉफ़्टवेयर:**
  - राज्य के सभी चिकित्सालयों में **दवाओं की आपूर्ति, वितरण और उपलब्धता की पारदर्शी निगरानी** संभव बनाता है।
  - यह सॉफ्टवेयर दवाओं की उपलब्धता और कमी पर वास्तविक समय डाटा प्रदान करता है।
- **ई-उपकरण सॉफ़्टवेयर:**
  - यह प्रणाली राज्य के सभी **चिकित्सा संस्थानों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जोड़ती है**।
  - इससे उपकरणों की **कमी या खराबी की सूचना** त्वरित मिलती है, जिससे समय पर **आपूर्ति एवं मरम्मत** संभव होती है।
- **राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (RMSCL):**
  - **यह राज्य सरकार** द्वारा संचालित **सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, जो राजस्थान में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को मज़बूत करने** के लिये **वर्ष 2011 में** स्थापित किया गया था।
  - इसका मुख्य कार्य **राज्य में आवश्यक दवाओं, चिकित्सा उपकरणों और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करना है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

RVUNL के साथ विद्युत खरीद समझौता

चर्चा में क्यों ?

एनएलसी इंडिया लिमिटेड (NIRL) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी **एनएलसी इंडिया रिन्यूएबल्स लिमिटेड (NLCIL)** ने **राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (RVUNL)** के साथ अपनी नियोजित **810 मेगावाट** सौर ऊर्जा परियोजना के लिये **बिजली खरीद समझौते (PPA) पर हस्ताक्षर** किये हैं।

प्रमुख बिंदु

- **परियोजना का महत्त्व:**
  - सौर ऊर्जा संयंत्र **राजस्थान के बीकानेर ज़िले** में **पूगल सौर पार्क में स्थापित** किया जाएगा।
  - बंजर भूमि पर स्थित यह स्थल **उच्च सौर विकिरण से लाभान्वित** होता है, परिणामस्वरूप यह सौर ऊर्जा उत्पादन हेतु आदर्श है।
  - यह पहल नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की अल्ट्रा मेगा नवीकरणीय ऊर्जा पावर पार्क (UMREPP) योजना - मोड B का हिस्सा है, जिसे प्रतिस्पर्द्धी टैरिफ-आधारित बोली के माध्यम से सम्मानित किया गया है।
- **पर्यावरणीय प्रभाव:**
  - इस परियोजना से प्रतिवर्ष लगभग 2 बिलियन यूनिट हरित बिजली उत्पादित होने की आशा है।
  - इससे प्रति वर्ष लगभग 1.5 मिलियन मीट्रिक टन CO_2 उत्सर्जन की पूर्ति होगी, जिससे भारत के निम्न-कार्बन परिवर्तन में योगदान होगा।
- **बुनियादी ढाँचा और विकास:**
  - यह परियोजना आरवीयूएनएल (RVUNL) के 2000 मेगावाट के पूगल सोलर पार्क में विकसित की जाएगी।
  - यह एनएलसीआईएल (NLCIL) के लिये एक मील का पत्थर है, जो 1 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएँ स्थापित करने वाला भारत का पहला सीपीएसयू (CPSU) है।

अल्ट्रा मेगा रिन्यूएबल एनर्जी पावर पार्क (UMREPP) योजना

- यह मौजूदा **सौर पार्क योजना के अंतर्गत अल्ट्रा मेगा रिन्यूएबल एनर्जी पावर पार्क (UMREPP)** विकसित करने की एक योजना है।
  - **यह योजना नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE)** द्वारा वर्ष 2014 में शुरू की गई थी ।
  - **सोलर पार्क योजना** भी MNRE की एक योजना है जिसके तहत देश के विभिन्न राज्यों में अनेक सोलर पार्क स्थापित किये जाएंगे। इसमें सोलर पार्क स्थापित करने के लिये भारत सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव है।
- UMREPP का उद्देश्य **परियोजना डेवलपर को भूमि उपलब्ध कराना** तथा सौर/पवन/हाइब्रिड तथा भंडारण प्रणालियों के साथ नवीकरणीय ऊर्जा (RE) आधारित पावर पार्क विकसित करने के लिये पारेषण अवसंरचना की सुविधा प्रदान करना है।

कोटा में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री** ने **राजस्थान के** कोटा में **ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे** के विकास के लिये **सैद्धांतिक मंज़ूरी** प्रदान की है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **हवाई अड्डे के बारे में:**
    - प्रस्तावित हवाई अड्डा न केवल कोटा शहर- जिसे एक प्रमुख शिक्षा और औद्योगिक केंद्र के रूप में जाना जाता है- बल्कि व्यापक हाड़ौती क्षेत्र को भी सेवा प्रदान करेगा।
    - इससे **बूंदी, बारां और झालावाड़** जैसे ज़िलों को भी सीधा लाभ मिलेगा।
    - इस परियोजना से क्षेत्र के **हज़ारों छात्रों, व्यवसायियों और निवासियों** के लिये यात्रा सुगम होगी और **अर्थव्यवस्था को मज़बूती** मिलेगी।
    - हवाई अड्डे का विकास **रोज़गार सृजन, निवेश आकर्षण और पर्यटन** को भी बढ़ावा देगा, जिससे **स्थानीय विकास को गति** मिलेगी।
    - यह परियोजना केंद्र सरकार की **"उड़ान योजना (UDAN)"** तथा विकासशील भारत में परिवहन ढाँचे के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक ठोस कदम है।
- **ग्रीनफील्ड परियोजना (Greenfield Project):**
    - '**ग्रीनफील्ड परियोजना**' का तात्पर्य ऐसी परियोजना से है, जिसमें किसी पूर्व कार्य/परियोजना का अनुसरण नहीं किया जाता है। अवसंरचना में अप्रयुक्त भूमि पर तैयार की जाने वाली परियोजनाएँ जिनमें मौजूदा संरचना को फिर से तैयार करने या ध्वस्त करने की आवश्यकता नहीं होती है, उन्हें 'ग्रीन फील्ड परियोजना' कहा जाता है।

महाराणा प्रताप जयंती

चर्चा में क्यों?

9 मई 2025 को **साहसी, स्वाभिमानी और प्रतिष्ठित योद्धाओं** में से एक **महाराणा प्रताप** की **485वीं जयंती** देशभर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई।

मुख्य बिंदु

- **महाराणा प्रताप के बारे में:**
    - **राणा प्रताप सिंह**, जिन्हें महाराणा प्रताप के नाम से भी जाना जाता है, का **जन्म 9 मई 1540** को राजस्थान के कुंभलगढ़ में हुआ था।
    - वे **मेवाड़ के 13वें राजा** थे और **उदय सिंह द्वितीय** के सबसे बड़े **पुत्र** थे।
    - महाराणा उदय सिंह द्वितीय ने मेवाड़ राज्य पर शासन किया और चित्तौड़ को अपनी राजधानी बनाया।
        - **उदय सिंह द्वितीय उदयपुर (राजस्थान) शहर के संस्थापक** भी थे।
- **हल्दीघाटी का युद्ध:**
    - हल्दीघाटी का युद्ध वर्ष 1576 में **मेवाड़ के राणा प्रताप सिंह** और **आमेर के राजा मान सिंह** के बीच हुआ था, जो मुगल सम्राट अकबर का सेनापति था।
    - महाराणा प्रताप ने बहादुरी से युद्ध किया किंतु अंततः **मुगल सेना से पराजित हुए**।
    - ऐसी मान्यता है कि **महाराणा प्रताप के वफादार घोड़े चेतक** ने युद्ध के मैदान से बाहर निकलते समय अपने प्राण त्याग दिये थे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **पुन:नियंत्रण:**
  - **वर्ष 1579 के बाद** मेवाड़ पर मुगलों का प्रभाव कम हो गया और महाराणा प्रताप ने कुंभलगढ़, उदयपुर तथा गोगुन्दा सहित पश्चिमी मेवाड़ पर पुन: अपना प्रभुत्व स्थापित किया।
  - इस अवधि के दौरान उन्होंने वर्तमान डूंगरपुर के पास एक नई राजधानी चावंड (Chavand) का निर्माण भी किया।
- **देहावसान:**
  - 19 जनवरी, 1597 को महाराणा प्रताप का निधन हो गया। महाराणा प्रताप की मृत्यु के पश्चात् उनके पुत्र **राणा अमर सिंह** ने राजगद्दी ग्रहण की और वर्ष 1614 में अकबर के पुत्र सम्राट जहाँगीर की प्रभुता स्वीकार की।

कृषक उपहार योजना

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान सरकार द्वारा कृषक उपहार योजना के तहत राज्य स्तरीय **ऑनलाइन लॉटरी** का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों को लाखों रुपए के पुरस्कार वितरित किये गये।

मुख्य बिंदु

- **कृषक उपहार योजना के बारे में:**
  - इस योजना के माध्यम से किसानों को ई-नाम (eNAM) पोर्टल और **ई-पेमेंट** (E-Payment) के माध्यम से अपने कृषि उत्पादों की बिक्री करने और भुगतान प्राप्त करने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

- इससे किसानों को अपनी उपज का अधिकतम लाभ मिल सकेगा और बिचौलियों की भूमिका कम होगी, जिससे वे सीधे उपभोक्ताओं से अपनी उपज बेच सकेंगे।

- **लॉटरी आयोजन:**
  - **लॉटरी का आयोजन** शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी की अध्यक्षता में **पंत कृषि भवन, जयपुर** में हुआ।
  - योजना के तहत प्रथम पुरस्कार 2 लाख 50 हज़ार रुपए का, कोटा कृषि उपज मंडी को दिया गया।

ई-नाम' (eNAM):

- केंद्र सरकार द्वारा अप्रैल 2016 में ई-नाम (eNAM) नामक पोर्टल की शुरुआत की गई थी।
- ई-नाम एक पैन इंडिया ई-व्यापार प्लेटफॉर्म है। कृषि उत्पादों के लिये एक एकीकृत राष्ट्रीय बाज़ार का सृजन करने के उद्देश्य से इसका निर्माण किया गया है।
- इसके तहत किसान अपने नज़दीकी बाज़ार से अपने उत्पाद की ऑनलाइन बिक्री कर सकते हैं तथा व्यापारी कहीं से भी उनके उत्पाद के लिये मूल्य चुका सकते हैं।
- इसके परिणामस्वरूप व्यापारियों की संख्या में वृद्धि होगी, जिससे प्रतिस्पर्द्धा में भी बढ़ोतरी होगी।
- इसके माध्यम से मूल्यों का निर्धारण भली-भाँति किया जा सकता है तथा किसानों को अपने उत्पाद का उचित मूल्य प्राप्त होगा।
- ई-नाम पोर्टल पर वर्तमान में, खाद्यान्न, तिलहन, रेशे, सब्जियों और फलों सहित 150 वस्तुओं का व्यापार किया जा रहा है। साथ ही इस पर 1,005 से अधिक 'किसान उत्पादक संगठन' पंजीकृत हैं।

राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2025

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ द्वारा जयपुर के जवाहर कला केंद्र में राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2025 आयोजित किया गया।

मुख्य बिंदु

- **मेले के बारे में:**
  - मेले में विभिन्न प्रकार के **स्वास्थ्यवर्द्धक और परंपरागत मसाले**, **मिलेट्स अनाज (श्री अन्न)** से बने उत्पाद और अन्य सहकारी उत्पादों की प्रदर्शनी की गई।
  - इस वर्ष मेले में **श्री अन्न से बने उत्पाद विशेष रूप से आकर्षण के केंद्र बने हैं**।
  - मेले में विभिन्न स्वयं सहायता समूह, सहकारी उपभोक्ता संघ और स्थानीय उत्पादकों ने अपनी विविध उत्पाद शृंखला के साथ भाग लिया।
  - यह मेला उपभोक्ताओं को सीधे **शुद्ध, गुणवत्तापूर्ण और स्वास्थ्यकर उत्पाद** खरीदने का अवसर प्रदान करता है।
  - मेले के माध्यम से **स्थानीय स्तर पर रोज़गार और आर्थिक सशक्तीकरण** को बढ़ावा मिलता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मिलेट्स

- **यह** एक सामूहिक **शब्द है, जो अनेक छोटे बीज वाली घासों (small-seeded grasses) को संदर्भित करता है,** जिनकी खेती अनाज की फसलों के रूप में की जाती है, मुख्य रूप से समशीतोष्ण, उपोष्णकटिबंधीय और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में शुष्क क्षेत्रों की सीमांत भूमि पर।
- **भारत में उपलब्ध कुछ सामान्य मोटे अनाज हैं** रागी (फिंगर मिलेट), ज्वार (सोरघम), समा (लिटिल मिलेट), बाजरा (पर्ल मिलेट) और वरिगा (प्रोसो मिलेट)।
- **वैश्विक और भारतीय उत्पादन:** भारत बाजरा का सबसे बड़ा उत्पादक है, इसके बाद नाइजर और चीन का स्थान है।
- **बाजरा संवर्द्धन:** खाद्य और कृषि संगठन (FAO) **द्वारा** वर्ष 2023 को **अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में मान्यता दी गई।**
  - भारत सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन **के तहत बाजरा उत्पादन को बढ़ावा देती है।**

राजस्थान में स्थायी लोक अदालतों का अक्रियाशील होना

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान सरकार द्वारा पीठासीन अधिकारियों और सदस्यों का कार्यकाल बढ़ाने में विलंब के कारण राज्य के 16 **ज़िलों में** स्थायी लोक अदालतें (PLAs) **स्थगित कर दी गई हैं,** जिससे हज़ारों लंबित मामलों के समाधान में विलंब हो रहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- राज्य **विधिक सेवा प्राधिकरण ने** 3 मई 2025 को स्पष्ट किया था कि जिन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो गया है, वे **विवाद समाधान में भाग नहीं ले सकेंगे।**

नोट: अकेले जोधपुर में **972 से अधिक मामले लंबित हैं**, जबकि राजस्थान उच्च न्यायालय ने अनुसार ज़िलों में कुल लंबित मामलों की संख्या 10,000 से अधिक हो सकती है।

मुख्य बिंदु

न्यायिक प्रतिक्रिया

- **राजस्थान उच्च न्यायालय ने** स्वतः संज्ञान लिया और न्याय तक पहुँच तथा **निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार (अनुच्छेद 21) पर** इसके गंभीर प्रभाव पर चिंता व्यक्त की।
- उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने **बृज मोहन लाल बनाम भारत संघ (2012) में** सर्वोच्च न्यायालय केनिर्णय का हवाला दिया, जो मनमाना या दुर्भावनापूर्ण पाए जाने पर नीतिगत निर्णयों की **न्यायिक समीक्षा की अनुमति देता है।**
- मामले की कार्यवाही में सहायता के लिये उच्च न्यायालय ने एक वरिष्ठ अधिवक्ता को न्यायमित्र नियुक्त किया है।
  - एमिकस क्यूरी (शाब्दिक अर्थ, **"न्यायालय का मित्र"**) वह व्यक्ति होता है, जो **किसी मामले में पक्षकार नहीं होता है और उसे किसी पक्षकार द्वारा निवेदन किया जा सकता है या नहीं भी किया जा सकता है।** इसका कार्य न्यायालय को **सूचना, विशेषज्ञता या किसी मुद्दे पर महत्त्वपूर्ण दृष्टिकोण** प्रदान कर सहायता करना होता है।

स्थायी लोक अदालतें (PLAs)

- **परिचय:**
  - PLAs विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 **की धारा 22-B के तहत कार्य करती हैं।**
  - **यह** एक वैधानिक निकाय है, जिसे मुख्यतः **पूर्व-विवाद सुलह और समझौते** को सुनिश्चित करने के लिये स्थापित किया गया है, विशेष रूप से उन मामलों में जो **लोक उपयोगिता सेवाओं** से संबंधित हों।
  - PLAs पक्षकारों को मुकदमा दायर करने से पहले **सुलह का प्रयास करने हेतु एक अनिवार्य मंच** प्रदान करता है।
    - हालाँकि, **लोक अदालतों** को **लंबित मामलों** के साथ-साथ **मुकदमा-पूर्व मामलों** पर भी **क्षेत्राधिकार** प्राप्त है।
    - PLAs आपराधिक अपराधों से संबंधित मामलों का निर्णय नहीं कर सकते।
- **संघटन:**
  - प्रत्येक **स्थायी लोक अदालत** में शामिल होते हैं:
    - एक **अध्यक्ष** (आमतौर पर सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारी) और
    - सार्वजनिक सेवा या **कानून** में अनुभव वाले दो अन्य सदस्य।
- **बाध्यकारी प्रकृति:**
  - स्थायी लोक अदालत द्वारा पारित निर्णय **अंतिम होता है तथा सभी पक्षों पर बाध्यकारी होता है।**
  - यदि दोनों पक्ष आपसी समझौते पर पहुँचने में असफल रहते हैं, तो **PLAs को मामले का गुण-दोष के आधार पर निर्णय लेने का अधिकार है।**
  - इस निर्णय के विरुद्ध कोई अपील नहीं की जा सकती, जिससे त्वरित एवं निर्णायक समाधान सुनिश्चित होता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

PLAs के गैर-कार्यशील होने के निहितार्थ

- **न्याय तक पहुँच:** लोक अदालतें वहनीय और त्वरित न्याय के लिये एक महत्त्वपूर्ण तंत्र हैं, विशेष रूप से कमज़ोर वर्गों के लिये।
- **लंबित मामले:** इस स्थगन से वर्तमान **लंबित मामलों** में वृद्धि होने की संभावना है, जिससे विवाद समाधान और भी अधिक विलंबित हो जाएगा।
- वैकल्पिक विवाद समाधान (ADR) **ढाँचे में व्यवधान :** इस स्थगन वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र को कमज़ोर करता है, जिससे अधिक मामले नियमित अदालतों में वापस चले जाते हैं।
- **वादियों की अनिश्चितता:** अधिकारियों के कार्यकाल समाप्त होने के कारण लंबित निर्णयों के कारण वादी को **लंबे समय तक अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है**, जिससे कानूनी प्रणाली में विश्वास कम होता है।

लोक अदालत

- **लोक अदालत या जन अदालत: न्यायालय में लंबित या मुकदमे-पूर्व विवादों को समझौते या सौहार्दपूर्ण समाधान** के माध्यम से निपटान हेतु एक वैकल्पिक मंच है।
  - सर्वोच्च न्यायालय ने इस बात पर ज़ोर देते हुए कहा है कि लोक अदालत न्यायनिर्णयन की एक **प्राचीन भारतीय प्रणाली है** जो आज भी प्रासंगिक है और **गांधीवादी सिद्धांतों** पर आधारित है।
  - **यह वैकल्पिक विवाद समाधान (ADR) प्रणाली** का एक हिस्सा है, जिसका उद्देश्य लंभित मामले के संदर्भ में भारतीय न्यायालयों को राहत प्रदान करना है।
- **उद्देश्य: इसका उद्देश्य** नियमित न्यायालयों में होने वाली लंबी और महँगी प्रक्रियाओं के बिना **त्वरित न्याय** प्रदान करना है।
  - लोक अदालत में **किसी की हार या जीत नहीं होती है, इसमें** विवाद समाधान हेतु एक **सामंजस्यपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया जाता है।**
- **कानूनी ढाँचा: प्रारंभ में** कानूनी प्राधिकार के बिना एक **स्वैच्छिक संस्था के रूप में कार्य करते हुए, विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 द्वारा** लोक अदालतों को **वैधानिक दर्जा** प्रदान किया गया।
  - **इस अधिनियम द्वारा संस्था को न्यायालय के आदेश** के समान प्रभाव वाले अधिकार प्रदान किये गए।

कोटा में प्रधानमंत्री दिव्यशा केंद्र (PMDK)

चर्चा में क्यों?

लोकसभा अध्यक्ष **ओम बिरला ने** दिव्यांग व्यक्तियों को सशक्त बनाने के लिये कोटा, राजस्थान में प्रधानमंत्री दिव्यांग केंद्र (PMDK) का उद्घाटन किया और उन्हें सहायक उपकरण वितरित किये।

मुख्य बिंदु

- **PMDK पहल के बारे में:**
  - PMDK पहल का नेतृत्व **सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय** के तहत सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई, भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (ALIMCO) **द्वारा किया जाता है।**
  - इसका प्राथमिक लक्ष्य वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग व्यक्तियों को उच्च गुणवत्ता वाले, वहनीय सहायक उपकरण उपलब्ध कराना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- वर्तमान में विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में **45 PMDK केंद्र कार्यरत हैं।**
  - सरकार का लक्ष्य **जून 2025 तक इस नेटवर्क को 100 केंद्रों तक विस्तारित करना है।**
- **लक्ष्य:**
  - नवनिर्मित PMDK में दृष्टिबाधित व्यक्तियों पर विशेष ज़ोर दिया गया है।
  - यह सेवाओं की एक विस्तृत शृंखला प्रदान करता है, जिनमें शामिल हैं:
    - प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स
    - ब्रेल उपकरण
    - गतिशीलता सहायता
    - उन्नत पुनर्वास प्रौद्योगिकियाँ
- **कौशल विकास और सशक्तीकरण:**
  - इसका उद्देश्य लाभार्थियों में कौशल निर्माण के लिये व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाना है।
  - इन कार्यक्रमों का उद्देश्य रोज़गार और उद्यमिता को बढ़ावा देना तथा दिव्यांग व्यक्तियों की आर्थिक स्वतंत्रता को बढ़ाना है।

दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तीकरण के लिये पहल

- पीएम-दक्ष (दिव्यांग कौशल विकास एवं पुनर्वास योजना)
- दीनदयाल विकलांग पुनर्वास योजना
- दिव्यांग व्यक्तियों को सहायक उपकरण खरीदने/फिट करने के लिये सहायता
- विकलांग छात्रों के लिये राष्ट्रीय फ़ेलोशिप
- दिव्यांग व्यक्तियों के लिये विशिष्ट पहचान-पत्र (UDID) कार्ड

राजस्थान में विकास परियोजनाएँ

चर्चा में क्यों?

भारत के प्रधानमंत्री ने राजस्थान में 26,000 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

मुख्य बिंदु

विकास परियोजनाओं की मुख्य विशेषताएँ

- **रेल अवसंरचना पर केंद्रित प्रयास**
  - प्रधानमंत्री ने 'अमृत भारत स्टेशन योजना (ABSS)' के तहत पुनर्विकसित **देशनोक रेलवे स्टेशन का उद्घाटन** किया और **बीकानेर-मुंबई एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी** दिखाकर रवाना किया।
    - यह योजना **18 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 86 ज़िलों में स्थित 103 अमृत स्टेशनों के पुनर्विकास** का हिस्सा है, जिसके लिये **1,100 करोड़ रुपए से अधिक** की लागत स्वीकृत की गई है।
  - इन स्टेशनों में **आधुनिक यात्री सुविधाओं, सुगम पहुँच** (विशेष रूप से **दिव्यांगजन-हितैषी प्रबंधों**) और **क्षेत्रीय प्रेरणा से युक्त वास्तुशैली** को एकीकृत किया गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- प्रधानमंत्री ने **राजस्थान में छह नवविद्युतित रेल लाइनों को राष्ट्र को समर्पित** किया और **चूरू-सादुलपुर रेललाइन की आधारशिला** भी रखी। यह पहल **लगभग 1,000 किमी के विद्युतीकरण अभियान** का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य 100% रेलवे विद्युतीकरण, **प्रभावशीलता में वृद्धि** तथा **उत्सर्जन में कमी** करना है।
- **आधुनिकीकरण के उपरांत स्टेशन स्थानीय कला, संस्कृति और ऐतिहासिक धरोहर** को प्रतिबिंबित करते हैं, जिससे ये **क्षेत्रीय पहचान के जीवंत प्रतीक** बन रहे हैं।
- **राजस्थान का मंडलगढ़ स्टेशन राजपूत परंपराओं की भव्यता** को दर्शाता है और अपनी **वास्तुशिल्पीय संरचना के माध्यम से क्षेत्रीय गौरव** को अभिव्यक्त करता है।

अन्य राज्यों के पुनर्विकसित स्टेशन

- **बिहार का थावे स्टेशन** माँ थावेवाली की **आध्यात्मिक परंपरा** को समर्पित है और इसमें पारंपरिक मधुबनी चित्रकला को दर्शाया गया है, जो **भक्ति और लोक कला** का अनूठा संगम प्रस्तुत करता है।
- **मध्य प्रदेश का ओरछा रेलवे स्टेशन** भगवान राम की **दैवीय उपस्थिति का प्रतीक** है, जो इस क्षेत्र की **आध्यात्मिक विरासत** को और अधिक सशक्त बनाता है।
- **तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई स्टेशन** का डिज़ाइन द्रविड़ स्थापत्य शैली से प्रेरित है, जो **दक्षिण भारत के** शास्त्रीय मंदिर वास्तुकला की सुंदरता को प्रतिबिंबित करता है।
- **गुजरात का डाकोर स्टेशन** श्री रणछोड़राय जी को समर्पित है, जो इस क्षेत्र की **धार्मिक आस्था** का प्रतीक है।
- **तेलंगाना के बेगमपेट स्टेशन** में **काकतीय वंश की स्थापत्य विरासत** को संरक्षित किया गया है, जिससे राज्य का **राजसी अतीत** उजागर होता है।

सड़क अवसंरचना का विस्तार

- प्रधानमंत्री ने **तीन वाहन अंडरपासों** और **कई राष्ट्रीय राजमार्गों के उन्नयन** की **आधारशिला रखी**। उन्होंने **4,850 करोड़ रुपए से अधिक की लागत** वाली **सात महत्त्वपूर्ण सड़क परियोजनाएँ राष्ट्र को समर्पित** कीं, जिनका उद्देश्य **भारत-पाक सीमा तक संपर्क को बेहतर बनाना, नागरिक आवाजाही को सुगम बनाना** तथा **राष्ट्रीय सुरक्षा को मज़बूत करना** है।

नवीकरणीय ऊर्जा और विद्युत प्रसारण को बढ़ावा

- प्रधानमंत्री ने **बीकानेर और डीडवाना-कुचामन में बड़े सौर ऊर्जा प्रकल्पों सहित कई नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का उद्घाटन व शुभारंभ** किया।
- **PowerGrid मेवाड़ और सिरोही ट्रांसमिशन लिमिटेड** की परियोजनाएँ **विद्युत प्रसारण क्षमता में वृद्धि** करेंगी और स्वच्छ ऊर्जा **के निर्गमन (evacuation)** को समर्थन देंगी।
- ये प्रयास भारत के **जलवायु लक्ष्यों में महत्त्वपूर्ण योगदान** देंगे तथा सतत ऊर्जा **अवसंरचना** को प्रोत्साहित करेंगे।

चिकित्सा अवसंरचना एवं जल आपूर्ति

- **राजसमंद, प्रतापगढ़, भीलवाड़ा और धौलपुर** में **नर्सिंग कॉलेजों का उद्घाटन** किया गया, जिससे **चिकित्सा शिक्षा और स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं** की क्षमता को बढ़ावा मिलेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **झुंझुनू में ग्रामीण जल आपूर्ति एवं फ्लोरोसिस निवारण परियोजना** तथा **पाली ज़िले के सात नगरों में** अमृत 2.0 योजना **के अंतर्गत शहरी जल आपूर्ति उन्नयन**, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में **सुरक्षित एवं सतत् पेयजल पहुँच सुनिश्चित** करने की दिशा में महत्त्वपूर्ण पहल हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना (ABSS)

- **परिचय:**
  - अमृत भारत स्टेशन योजना का लक्ष्य देश भर में 1309 स्टेशनों का पुनर्विकास करना है।
  - यह पुनर्विकास **आधुनिक यात्री सुविधाएँ** प्रदान करने के साथ-साथ इंटर-मोडल एकीकरण तथा यात्रियों के लिये सुव्यवस्थित दिशा-निर्देश की सुविधा प्रदान करने के लिये साइनेज़ (संकेतों के माध्यम से) सुविधा भी सुनिश्चित करेगा।
  - यह योजना **रेल मंत्रालय** द्वारा **फरवरी 2023** में शुरू की गई थी।
- **शहरी विकास के लिये एकीकृत दृष्टिकोण:**
  - पुनर्विकास योजना शहरी विकास के लिये एक समग्र दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर बनाई गई है, ऐसे में **इन स्टेशनों को "सिटी सेंटर" के रूप में माना जा सकता है।**
  - इस दृष्टिकोण का उद्देश्य **यात्रियों के सुलभ आवगमन के लिये अच्छी तरह से डिज़ाइन किये गए ट्रैफिक सर्कुलेशन, इंटर-मोडल कनेक्टिविटी तथा स्पष्ट संकेत** बनाना है।

अमृत 2.0 योजना

- यह योजना 1 अक्तूबर, 2021 को शुरू की गई थी, जिसमें 5 वर्ष की अवधि यानी वित्तीय वर्ष 2021-22 से वित्तीय वर्ष 2025-26 तक के लिये **अमृत 1.0** को शामिल किया गया है।
- इसका उद्देश्य **देश के 500 शहरों से लगभग 4,900 वैधानिक कस्बों तक जलापूर्ति** की सार्वभौमिक कवरेज और अमृत योजना के **पहले चरण में शामिल 500 शहरों में सीवरेज/सेप्टेज** प्रबंधन की कवरेज है।
- **अमृत 2.0** का उद्देश्य उपचारित सीवेज के पुनर्चक्रण/पुन: उपयोग, जल निकायों के पुनरुद्धार और जल संरक्षण द्वारा **शहर जल संतुलन योजना** (City Water Balance Plan- CWBP) के विकास के माध्यम से जल की चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।
- मिशन में **शहरी नियोजन, शहरी वित्त को मज़बूत करने आदि के** माध्यम से नागरिकों के जीवन को आसान बनाने के लिये सुधार एजेंडा भी शामिल है।
- **अमृत 2.0 के अन्य घटक:**
  - जल के न्यायसंगत वितरण, **अपशिष्ट जल के पुन: उपयोग, जल निकायों** के मानचित्रण और शहरों/कस्बों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ावा देने के लिये **पेयजल सर्वेक्षण**।
  - **जल वाले क्षेत्र में नवीनतम वैश्विक प्रौद्योगिकियों का लाभ** उठाने के लिये जल हेतु प्रौद्योगिकी उप-मिशन।
  - जल संरक्षण के बारे में जनता में जागरूकता फैलाने के लिये **सूचना, शिक्षा और संचार** (Education and Communication-IEC) अभियान चलाना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस 2025

चर्चा में क्यों ?

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने राष्ट्रीय जैवविविधता प्राधिकरण, **राजस्थान वन विभाग** एवं **राज्य जैवविविधता बोर्ड** के सहयोग से **22 मई 2025 को** "अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस" के अवसर पर **उदयपुर** में **राष्ट्रीय स्तरीय कार्यक्रम** का आयोजन किया।

- भारत **17 मेगा-जैवविविधता वाले देशों** में से एक है, जिसका भू-क्षेत्र 329 मिलियन हेक्टेयर है और इसमें 1,00,000 से अधिक पशु प्रजातियाँ और 55,000 से अधिक पौधों की प्रजातियाँ पाई जाती हैं।

मुख्य बिंदु

अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस

- यह दिवस विश्व में जैवविविधता के संरक्षण के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिये **प्रतिवर्ष 22 मई को मनाया जाता है।**
  - संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष **1992 में इसी दिन जैवविविधता पर कन्वेंशन को** अपनाया गया था।
- वर्ष 2025 का विषय **है 'प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास'।**
- **वर्ष 2000 में,** संयुक्त राष्ट्र महासभा **(UNGA) ने आधिकारिक तौर पर 22 मई को** अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस के रूप में घोषित किया।
  - **UNCBD** जैवविविधता के संरक्षण के लिये **एक कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि है।**
  - **भारत इस संधि का एक पक्ष है** तथा उसने जैवविविधता अधिनियम, 2002 **पारित किया है।**
- UNGA ने वर्ष **2011-2020 को जैवविविधता पर संयुक्त राष्ट्र दशक** के रूप में नामित किया है, जिसका उद्देश्य जैवविविधता के लिये एक रणनीतिक योजना के कार्यान्वयन को आगे बढ़ाना है।

कार्यक्रम की मुख्य विशेषताएँ

- **राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ:**
  - **विश्व पर्यावरण दिवस 2025 (5 जून)** की पूर्व संध्या पर **'प्लास्टिक प्रदूषण समाप्ति' पर आधारित एक पंद्रह दिवसीय राष्ट्रीय अभियान** की शुरुआत की गई। इस अभियान का उद्देश्य **प्लास्टिक कचरे के उन्मूलन** को लेकर **जन-संपर्क और नीति-चर्चा को सशक्त बनाना** है।
  - इस अवसर पर जैवविविधता और जैव संसाधन पर एक **प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया गया, जिसमें भारत की स्वदेशी जैवविविधता**, औषधीय पौधों, **पारंपरिक फसल किस्मों** और संरक्षण नवाचारों को प्रदर्शित किया गया।
- **जैवविविधता संरक्षण के लिये भारत की वैश्विक प्रतिबद्धता:**
  - भारत ने वर्ष **2024 में** जैवविविधता कन्वेंशन (CBD) **की 16वीं पक्षकार सम्मेलन (COP16)** में **कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैवविविधता ढाँचा (KMGBF)** को आगे बढ़ाने में अपनी सक्रिय भूमिका प्रदर्शित की।
  - **भारत ने जैवविविधता संरक्षण में नेतृत्व निम्नलिखित रूपों में दिखाया:**
    - अद्यतन **राष्ट्रीय जैवविविधता लक्ष्य प्रस्तुत करना** (सितंबर 2024)
    - 30 अक्तूबर 2024 को संशोधित **राष्ट्रीय जैवविविधता रणनीति और कार्य योजना (NBSAP)** जारी करना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- भारत की संरक्षण उपलब्धियों में शामिल हैं:
  - **संरक्षित** आर्द्रभूमि (Wetlands) **का विस्तार**, जिसमें **89 रामसर स्थलों** के माध्यम से **1.35 मिलियन हेक्टेयर भूमि** शामिल है।
  - **जैविक विविधता अधिनियम, 2002 के तहत 49 जैवविविधता विरासत स्थलों (Biodiversity Heritage Sites) की अधिसूचना।**
  - इस कार्यक्रम में **'एक पेड़ माँ के नाम'** अभियान की सफलता पर प्रकाश डाला गया, जो **विश्व पर्यावरण दिवस 2024** पर शुरू हुआ और जिसके तहत **वैश्विक स्तर पर 142 करोड़ पेड़ लगाए गए**, जिससे नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदार बनाया गया।

- **कार्यक्रम के दौरान प्रकाशन:**
  - अद्यतन राष्ट्रीय जैवविविधता रणनीति और कार्ययोजना (NBSAP) 2024–2030
  - भारत की सातवीं राष्ट्रीय रिपोर्ट (NR7) जैव विविधता कन्वेंशन (CBD) को
  - भारत के जैवविविधता विरासत स्थलों पर संकलन (Compendium) जैविक विविधता अधिनियम, 2002 के अंतर्गत 2025 की पहुँच एवं लाभ साझा नियमावली पर ब्रोशर

राजस्थान में रामसर स्थल

- **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (भरतपुर)**, एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त आर्द्रभूमि और पक्षी अभयारण्य है, जिसे **भरतपुर पक्षी अभयारण्य के रूप में भी जाना जाता है।**
- **जयपुर, अजमेर और नागौर ज़िलों** में स्थित **सांभर झील भारत की सबसे बड़ी अंतर्देशीय खारी झील** और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर **मान्यता प्राप्त रामसर साइट** है।
  - वर्ष 1990 में नामित यह झील **अपनी अनूठी जैवविविधता के कारण पारिस्थितिक महत्त्व रखती है तथा** प्रवासी पक्षियों के लिये महत्त्वपूर्ण **शीतकालीन आवास के रूप में कार्य करती है, जिसमें फ्लेमिंगो, पेलिकन और कई अन्य प्रजातियाँ शामिल हैं।**

कुनमिंग-मॉन्ट्रियल वैश्विक जैवविविधता फ्रेमवर्क (KMGBF)

- यह ढाँचा **संयुक्त राष्ट्र के जैवविविधता कन्वेंशन (CBD) की 15वीं पक्षकार सम्मेलन (COP15)** में **दिसंबर 2022** में अपनाया गया।
- इसका उद्देश्य सतत् विकास लक्ष्यों (SDGs) **की प्राप्ति में सहायता करना** और पूर्व रणनीतिक योजनाओं को सुदृढ़ बनाना है।
- इस ढाँचे में वर्ष **2050 तक चार मुख्य लक्ष्य** और वर्ष **2030 तक 23 लक्षित उद्देश्यों** को निर्धारित किया गया है, जो योजना, निगरानी, रिपोर्टिंग, वित्त और क्षमता विकास को कवर करते हैं।
  - **लक्ष्य 3** के अंतर्गत यह सुनिश्चित किया गया है कि वर्ष **2030 तक विश्व के स्थलीय क्षेत्र का कम-से-कम 30% भाग संरक्षित क्षेत्र हो**, जो वर्तमान में लगभग 16% है।
  - साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाता है कि वर्ष **2030 तक कम-से-कम 30% अव्यवस्थित स्थलीय, अंतर्देशीय जल और समुद्री तथा तटीय पारिस्थितिक तत्त्व प्रभावी पुनरुद्धार के अधीन हों।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

जैवविविधता संरक्षण से संबंधित भारत की पहल

- भारत व्यापार एवं जैवविविधता पहल (IBBI)
- आर्द्रभूमि (संरक्षण एवं प्रबंधन) नियम 2010
- जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के लिये राष्ट्रीय योजना
- वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो
- जैविक विविधता अधिनियम, 2002

तनोट माता मंदिर और जैसलमेर किला

चर्चा में क्यों ?

जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास स्थित 1,200 साल पुराना तनोट माता मंदिर, सीमा **पार तनाव के** कारण **अस्थायी रूप से बंद रहने के बाद फिर से खुल गया।**

- जैसलमेर किले के अंदर स्थित जैसलमेर **किला पैलेस संग्रहालय** भी पुन: खुल गया।

मुख्य बिंदु

तनोट माता मंदिर

- **परिचय:**
  - यह **राजस्थान के जैसलमेर ज़िले** में स्थित एक **प्राचीन हिंदू मंदिर है।**
  - **यह मंदिर हिंदू देवी हिंगलाज माता** के स्वरूप तनोट राय को समर्पित है।
  - स्थानीय लोककथा के अनुसार, मंदिर की **स्थापना मूल रूप से आदिवासी समुदायों के एक समूह द्वारा की गई थी,** जो तनोट राय को अपने संरक्षक देवता के रूप में पूजते थे।
  - समय के साथ यह **एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित हो गया,** जो पूरे क्षेत्र से तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है।
- **पृष्ठभूमि एवं युद्धकालीन महत्त्व:**
  - **वर्ष 1965 और 1971 के** भारत-पाक युद्धों के दौरान इस मंदिर को राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि मिली।
  - वर्ष 1965 के युद्ध में गिराए गए कई **अविस्फोटित बम** अब मंदिर परिसर में स्थित **तानोट माता संग्रहालय** में प्रदर्शित हैं।
  - वर्ष 1971 के युद्ध के बाद, भारत सरकार ने मंदिर का प्रबंधन सीमा सुरक्षा बल (BSF) को सौंप **दिया।**
- **विजय स्तम्भ और वार्षिक स्मरणोत्सव:**
  - भारतीय सेना ने वर्ष 1971 के युद्ध में भारत की जीत के सम्मान में मंदिर परिसर में एक **विजय स्तंभ का निर्माण कराया।**
  - **हर साल 16 दिसंबर को मंदिर में** पाकिस्तान पर भारत की जीत का उत्सव मनाने के लिये एक स्मारक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

जैसलमेर किला

- जैसलमेर का किला भारत का एकमात्र **'जीवित' किला** है, जहाँ आज भी लोग निवास करते हैं, अत: उनके सुरक्षा की दृष्टि से इसका रख-रखाव अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- इसका निर्माण 1156 **ईस्वी में राजा रावल सिंह** द्वारा किया गया था। यह किला सामरिक दृष्टि से राज्य को आक्रमणों से बचाने के लिये बनाया गया था।
- यह रेशम मार्ग (Silk Route) पर स्थित एक महत्त्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र था, जो भारत को मध्य एशिया से जोड़ता था।
- **पीले बलुआ पत्थर** से निर्मित यह किला सूर्य के प्रकाश के साथ अपना रंग बदलता है, जिससे यह **सुनहरा** प्रतीत होता है। इसी कारण इसे "**सोनार किला**" अथवा "**गोल्डन फोर्ट**" भी कहा जाता है।
- किले के भीतर स्थित **राज महल (राजसी महल)** सबसे बड़ा महल है, जिसमें अलंकृत झरोखे एवं बारीक नक्काशी की गई है। यह **मध्यकालीन राजस्थानी वास्तुकला** का भव्य उदाहरण है, जिसमें **इस्लामी** और **राजपूत** शैली का अद्वितीय समन्वय देखा जा सकता है।
  - **जैसलमेर किला महल संग्रहालय** की स्थापना वर्ष 1982 **में राज्य पुरातत्त्व विभाग** द्वारा की गई थी।
- भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) इस किले के रख-रखाव हेतु उत्तरदायी है।
- राजस्थान के पहाड़ी किलों – **चित्तौड़, कुंभलगढ़, रणथम्भौर, गागरोन, आमेर और जैसलमेर किले** को वर्ष 2013 **में** यूनेस्को विश्व विरासत स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त हुई।
  - **जैसलमेर किला**, चित्तौड़, कुंभलगढ़ एवं रणथम्भौर के किलों के साथ **प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारक एवं पुरातत्त्व स्थल तथा अवशेष (राष्ट्रीय महत्त्व की घोषणा) अधिनियम,** 1951 के तहत भारत के **राष्ट्रीय महत्त्व के स्मारक** के रूप में संरक्षित हैं।

सीमा सुरक्षा बल (BSF) क्या है ?

- BSF की स्थापना वर्ष 1965 **में भारत-पाकिस्तान युद्ध** के बाद की गई थी।
- यह **गृह मंत्रालय** (Ministry of Home Affairs - MHA) के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत भारत संघ के **सात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों** में से एक है।
  - अन्य **केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल हैं: असम राइफल्स (AR), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF), केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF), राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) और सशस्त्र सीमा बल (SSB)**
- 2.65 लाख पुलिस बल पाकिस्तान और बांग्लादेश सीमा पर तैनात हैं।
  - इसे भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा, भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा, **नियंत्रण रेखा (LoC)** पर भारतीय सेना के साथ तथा **नक्सल विरोधी अभियानों** में तैनात किया जाता है।
- BSF अपने जलयानों के अत्याधुनिक बेड़े के साथ **अरब सागर में सर क्रीक** और **बंगाल की खाड़ी** में **सुंदरबन डेल्टा** की रक्षा कर रहा है।
- यह प्रत्येक वर्ष अपनी प्रशिक्षित जनशक्ति की एक बड़ी टुकड़ी भेजकर **संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन** में समर्पित सेवाओं का योगदान देता है।

भांड देवरा मंदिर का जीर्णोद्धार

चर्चा में क्यों ?

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) राजस्थान के बारां ज़िले में स्थित 10वीं शताब्दी के **भांड देवरा मंदिर का जीर्णोद्धार करने जा रहा है,** जिसे अक्सर राज्य का "मिनी खजुराहो" कहा जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **स्थापत्य शैली और स्थान:**

  - **बारां ज़िले में रामगढ़ नदी के तट पर स्थित** भांड देवरा मंदिर विशिष्ट **नागर स्थापत्य शैली में निर्मित है।**
  - **खजुराहो के मंदिरों** से इसकी **समानता** अद्भुत है, जिसके कारण इसे **"राजस्थान का छोटा खजुराहो" उपनाम दिया गया है।**
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और संरक्षण:**
  - **यह मंदिर मूलत: नागवंशी राजा मलय वर्मा** द्वारा विजय स्मारक के रूप में बनवाया गया था।
  - 1162 ई. में इसे पुन: संरक्षण प्राप्त हुआ, जब मेडा वंश (Meda dynasty) के राजा तृष्णा वर्मा ने इसके जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ किया।
- **विरासत की उपेक्षा और क्षति:**
  - वर्षों की उपेक्षा और उदासीनता के कारण मंदिर क्षतिग्रस्त हो गया है, जर्जर संरचना और चोरी हुई मूर्तियों के कारण इसकी समृद्ध विरासत नष्ट हो गई है।
- **एक भूवैज्ञानिक और सांस्कृतिक आश्चर्य:**
  - समीपवर्ती **रामगढ़ क्रेटर**, जो लगभग **16.5 करोड़ वर्ष पूर्व** एक **ग्रह-उल्का (asteroid)** के टकराव से बना था, भारत की **दुर्लभ भू-विरासत स्थलों** में से एक है।
  - यह एक **ग्रह-उल्का प्रहार क्रेटर** है, जिसका **व्यास 3.5 किमी.** है और यह **विंध्य श्रृंखला** के **कोटा पठार** में स्थित है, जो **राजस्थान** के **बारां ज़िले** के **रामगढ़ गाँव** के पास स्थित है।
  - यह भारत का **आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त तीसरा क्रेटर** है, जिसका आकार **मध्य प्रदेश** में स्थित **14 किमी. व्यास वाला धाला क्रेटर** और **महाराष्ट्र** में स्थित **1.8 किमी. व्यास वाला लोनार क्रेटर** के बीच है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नागर या उत्तर भारतीय मंदिर शैली

- **परिचय:**
  - उत्तरी भारत में सामान्यत: पाए जाने वाले नागर शैली के मंदिरों की पहचान एक वक्रीय मीनार (शिखर), गर्भगृह (Sanctorum) और स्तंभयुक्त हॉल (मंडप) से होती है।
  - ये मंदिर आमतौर पर एक ऊँचे पत्थर के मंच (जगती) पर बनाए जाते हैं, जिसमें प्रवेश के लिये सीढ़ियाँ बनी होती हैं।
  - नागर मंदिर की भूमि योजना आमतौर पर वर्गाकार या आयताकार होती है, जिसमें चार भुजाएँ होती हैं।
- **शिखर (वक्रीय मीनार):**
  - प्रारंभिक नागर मंदिरों में एक ही शिखर होता था, लेकिन बाद के मंदिरों में प्राय: अनेक शिखर होते थे।
- **गर्भगृह (पवित्र स्थान):**
  - सबसे ऊँचे शिखर के ठीक नीचे स्थित गर्भगृह में मुख्य देवता का निवास है।
  - यह मंदिर के आध्यात्मिक मूल का प्रतिनिधित्व करता है और अक्सर विस्तृत अलंकरण से रहित होता है, जो आंतरिक पवित्रता को दर्शाता है।
- **जगती और पीठा:**
  - नागर मंदिर एक ऊँचे मंच पर स्थित होते हैं जिसे जगती के नाम से जाना जाता है, जो मंदिर को भौतिक और प्रतीकात्मक दोनों रूप से ऊँचा उठाता है।
- **अधिष्ठान (आधार मंच):**
  - पीठ और जगती के ऊपर अधिष्ठान होता है, जो आधार मंच है, जिस पर अधिरचना (मंदिर का शिखर और दीवारें) का निर्माण किया जाता है।

खजुराहो मंदिर

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **चंदेल राजवंश** द्वारा 10वीं और 11वीं शताब्दी में निर्मित ये मंदिर समूह **स्थापत्य कला** और **मूर्ति कला** का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।
  - **नागर शैली** में बने यहाँ के मंदिरों की संख्या अब केवल 20 ही रह गई है, जिनमें **कंदरिया महादेव का मंदिर** विशेष रूप से प्रसिद्ध है।
- **धार्मिक संबंध:** यहाँ के मंदिर दो धर्मों- **जैन और हिंदू** से संबंधित हैं।
- **विश्व धरोहर स्थल:** इन्हें वर्ष 1986 में **यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल की सूची में** शामिल किया गया।

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण:

- भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) **संस्कृति मंत्रालय** के तहत देश की **सांस्कृतिक विरासत के पुरातात्त्विक अनुसंधान और संरक्षण के लिये प्रमुख संगठन** है।
- यह 3650 से अधिक प्राचीन स्मारकों, पुरातात्त्विक स्थलों और राष्ट्रीय महत्त्व के अवशेषों का प्रबंधन करता है।
- इसके कार्यों में **पुरातात्त्विक अवशेषों का सर्वेक्षण, पुरातात्त्विक स्थलों की खोज एवं उत्खनन, संरक्षित स्मारकों का संरक्षण और रखरखाव करना** आदि शामिल हैं।
- इसकी स्थापना वर्ष 1861 में **ASI के पहले महानिदेशक अलेक्जेंडर कनिंघम** ने की थी। अलेक्ज़ेंडर कनिंघम को "**भारतीय पुरातत्त्व के जनक**" के रूप में भी जाना जाता है।

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान

चर्चा में क्यों?

राजस्थान में **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, जिसे 'पक्षियों का स्वर्ग' कहा जाता है,** अब **कछुओं के लिये एक महत्त्वपूर्ण अभयारण्य के रूप में उभर रहा है।**

- यहाँ राज्य में पाई जाने वाली **10 में से 8 कछुआ प्रजातियाँ** संरक्षित हैं, जिससे यह क्षेत्र **कछुओं के लिये सबसे समृद्ध आवासों** में से एक बन गया है।

मुख्य बिंदु

- **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के बारे में:**
  - केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान **राजस्थान के भरतपुर** में स्थित एक **आर्द्रभूमि** और **पक्षी अभयारण्य** है। यह **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** और दुनिया के सबसे महत्त्वपूर्ण **पक्षी विहारों** में से एक है।
    - **चिल्का झील (ओडिशा)** और **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान)** को **वर्ष 1981** में **भारत के पहले रामसर स्थलों के रूप में मान्यता** दी गई थी।
    - वर्तमान में **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान** और **लोकटक झील (मणिपुर), मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड** में दर्ज हैं।
  - यह अपनी **समृद्ध पक्षी विविधता** और **जल पक्षियों की बहुलता** के लिये प्रसिद्ध है। यह उद्यान **पक्षियों की 365 से अधिक प्रजातियों का घर** है, जिसमें कई **दुर्लभ** और **संकटग्रस्त प्रजातियाँ** शामिल हैं, जैसे कि **साइबेरियाई क्रेन**।
  - उत्तरी गोलार्द्ध के दूर-दराज़ के क्षेत्रों से विभिन्न प्रजातियाँ प्रजनन हेतु अभयारण्य में आती हैं। साइबेरियन क्रेन उन दुर्लभ प्रजातियों में से एक है जिसे यहाँ देखा जा सकता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **जीव-जंतु:**
  - इस क्षेत्र में सियार, सांभर, नीलगाय, जंगली बिल्लियाँ, लकड़बग्घे, जंगली सूअर, साही और नेवला जैसे जानवर देखे जा सकते हैं।
- **वनस्पति वर्ग:**
  - प्रमुख वनस्पति प्रकार उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन हैं जो शुष्क घास के मैदान के साथ मिश्रित बबूल निलोटिका प्रभुत्त्व वाले क्षेत्र हैं।
- **नदियाँ:**
  - **गंभीर और बाणगंगा** दो नदियाँ हैं, जो इस राष्ट्रीय उद्यान से होकर बहती हैं।

- **कछुओं के आवास के लिये आदर्श परिस्थितियाँ:**
  - उद्यान के भीतर जल निकायों, वन आवरण और भूमि का अनूठा मिश्रण कछुओं के लिये एक आदर्श **पारिस्थितिकी तंत्र** का निर्माण करता है।
  - गहरे तालाब, दलदली क्षेत्र और घनी वनस्पति कछुओं के अवास बनाने, भोजन की तलाश और प्रजनन के लिये अनुकूलतम परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं।
- **केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में पाई जाने वाली कछुआ प्रजातियाँ:**
  - यह उद्यान सैकड़ों कछुओं का घर है, जिनमें से कई कछुओं की आयु 200 वर्ष से भी अधिक मानी जाती है।
    - ये **प्राचीन सरीसृप** उद्यान की पारिस्थितिक और सांस्कृतिक समृद्धि में वृद्धि करते हैं।
  - विविध प्रजातियों में से **भारतीय सॉफ्टशेल कछुआ** विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है।
    - तालाबों और नदियों में पनपने वाला यह जलीय जंतुओं और पौधों का भक्षण करके जलीय स्वास्थ्य को बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
    - यह प्राकृतिक सफाई जल निकायों को शुद्ध करने और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में मदद करती है।
  - **क्राउंड रिवर टर्टल**, एक शाकाहारी प्रजाति है, जिसके चेहरे पर पीले-नारंगी धारियाँ होती हैं, यह उद्यान की **जैवविविधता** में वृद्धि करती है।
  - अन्य दुर्लभ प्रजातियों में शामिल हैं:
    - भारतीय फ्लैपशेल कछुआ
    - भारतीय तंबू (Tent) कछुआ
    - भारतीय सितारा (star) कछुआ

भारतीय सॉफ्टशेल कछुआ (गंगा सॉफ्टशेल कछुआ)

- **परिचय:**
  - भारतीय सॉफ्टशेल कछुआ, जिसे **गंगा सॉफ्टशेल कछुआ भी कहा जाता है,** उत्तरी और पूर्वी भारत की नदियों में पाई जाने वाली एक **ताज़े पानी की प्रजाति है।**
  - यह **ट्रियोनीचिडे परिवार से संबंधित है,** जो कठोर शल्कों के स्थान पर लचीले, चमड़े जैसे खोल वाले कछुओं के लिये जाना जाता है।
- **प्राकृतिक आवास:**
  - **यह प्रजाति मुख्यत: गंगा, सिंधु और महानदी** जैसी प्रमुख नदियों में निवास करती है।
  - यह झीलों, तालाबों, नहरों और अन्य ताज़े पानी के निकायों में भी पाया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **विशेषताएँ:**
  - कछुए **का कवच (ऊपरी खोल)** चिकना, अंडाकार अथवा गोलाकार होता है।
  - इसका **कवच** आमतौर पर जैतून या हरे रंग का दिखाई देता है, जिसके किनारे पर अक्सर पीला रंग होता है।
- **संरक्षण की स्थिति:**
  - **IUCN रेड लिस्ट:** लुप्तप्राय
  - **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम (WPA), 1972:** अनुसूची I
  - **CITES:** परिशिष्ट I
- **भारत में अन्य उल्लेखनीय सॉफ्टशेल कछुए:**
  - **लीथ का सॉफ्टशेल कछुआ:** प्रायद्वीपीय भारत का स्थानिक और **गंभीर रूप से संकटग्रस्त के रूप में वर्गीकृत।**
  - **मोर सॉफ्टशेल कछुआ: यह लुप्तप्राय प्रजातियों की सूची में शामिल है** तथा पूर्वोत्तर भारत और बांग्लादेश के तालाबों और मंदिर जलाशयों में पाया जाता है।

आना सागर झील के निकट वेटलैंड्स को मंजूरी

चर्चा में क्यों?

सर्वोच्च न्यायालय ने अजमेर के निकट दो नए आर्द्रभूमि विकसित करने के राजस्थान सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य **आनासागर झील के आसपास सतत् शहरी विकास सुनिश्चित करते हुए पारिस्थितिक संतुलन बहाल करना है।**

आना सागर झील

- अजमेर में स्थित यह एक **कृत्रिम झील** है, जिसका निर्माण **पृथ्वीराज चौहान** के पिता **अरुणोराज या आणाजी चौहान** ने बारहवीं शताब्दी के मध्य (1135-1150 ईस्वी) करवाया था।
  - आणाजी द्वारा निर्मित कराए जाने के कारण ही इस झील का नाम आणा सागर या आना सागर पड़ा।
- आना सागर झील का विस्तार लगभग 13 **किमी. की परिधि** में फैला हुआ है।
- बाद में, मुगल शासक **जहाँगीर** ने झील के प्रांगण में **दौलत बाग** का निर्माण कराया,जिसे **सुभाष उद्यान** के नाम से भी जाना जाता है।
- **शाहजहाँ** ने 1637 **ईस्वी** में इसके आसपास **संगमरमर की बारादरी (पवेलियन)** का निर्माण कराया, जो झील की सुंदरता को और बढ़ाता है।

मुख्य बिंदु

- **पृष्ठभूमि:**
  - **आना सागर झील**, जो **अजमेर** की एक **महत्त्वपूर्ण शहरी जल निकाय** है, **अनियंत्रित विकास** और इसके आसपास की **मानव गतिविधियों** के कारण **पर्यावरणीय क्षरण** का सामना कर रही है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इससे पहले राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने झील की **हरित परिधि** में बने कई **अवैध निर्माणों**, जिनमें **सेवन वंडर्स की प्रतिकृति** भी शामिल है, को हटाने का निर्देश दिया था, ताकि झील की पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा की जा सके।

- **प्रस्तावित आर्द्रभूमि के स्थान:**
  - **आना सागर के जलग्रहण क्षेत्र के बाहर दो आर्द्रभूमि का निर्माण किया जाएगा: हाथी-खेड़ा के पास** फॉय सागर (वरुण सागर) **एक्सटेंशन** में 12 हेक्टेयर आर्द्रभूमि और **तबीजी-1** में 10 हेक्टेयर आर्द्रभूमि।
  - इन आर्द्रभूमियों का उद्देश्य क्षेत्र में **जल संरक्षण क्षमता,** जैवविविधता **और पर्यावरणीय स्वास्थ्य में सुधार करना है।**
- **वैज्ञानिक समीक्षा और पर्यावरण मूल्यांकन:**
  - अजमेर नगर निगम द्वारा नियुक्त राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (नीरी) ने एक व्यापक पर्यावरणीय मूल्यांकन **किया।**
    - नीरी, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के अंतर्गत एक प्रमुख अनुसंधान संस्थान है, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन कार्य करती है।
    - यह अनुसंधान एवं विकास, नीति विकास और प्रौद्योगिकी नवाचार के माध्यम से **पर्यावरण प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण और** सतत विकास **में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।**

आर्द्रभूमि

- **आर्द्रभूमि को दलदल, दलदली भूमि, पीटलैंड या जल (प्राकृतिक या कृत्रिम) के क्षेत्रों** के रूप में परिभाषित किया जाता है, जिसमें पानी स्थिर या बहता रहता है, जिसमें छह मीटर से अधिक गहराई वाले समुद्री क्षेत्र भी शामिल हैं।
- **आर्द्रभूमियाँ** इकोटोन **होती हैं,** जिनमें स्थलीय और जलीय पारिस्थितिकी प्रणालियों के बीच संक्रमणकालीन भूमि होती है।
- **आर्द्रभूमि का महत्त्व:**
  - **प्राकृतिक जल शुद्धिकर्ता:** आर्द्रभूमियाँ (wetlands) **प्राकृतिक जल फिल्टर** के रूप में कार्य करती हैं, जो **गाद को रोकती हैं, प्रदूषकों को विघटित करती हैं** और **अतिरिक्त पोषक तत्त्वों** को अवशोषित करती हैं।
  - **बाढ़ नियंत्रण:** राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) के अनुसार आर्द्रभूमियाँ **अतिरिक्त जल को अवशोषित और संगृहीत** करती हैं, जिससे **बाढ़ के जोखिम** में लगभग 60% **तक कमी** आती है और **घरों व बुनियादी ढाँचे** की सुरक्षा होती है।
  - **वन्यजीवों का आवास:** स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर (SAC) के अनुसार आर्द्रभूमियाँ पृथ्वी की सतह का केवल **6% हिस्सा** घेरती हैं, फिर भी ये **वैश्विक स्तर पर 40% से अधिक प्रजातियों**, जिनमें **सरस क्रेन** जैसी **संकटग्रस्त प्रजातियाँ** भी शामिल हैं, को संरक्षण प्रदान करती हैं।
  - कार्बन अवशोषण (Carbon Sequestration): आर्द्रभूमियों की **मिट्टी और वनस्पति** में **महत्त्वपूर्ण मात्रा में कार्बन** संगृहीत होता है। **भारतीय जलवायु परिवर्तन मूल्यांकन नेटवर्क (INCCA)** के अनुसार, आर्द्रभूमियों का **पुनरुद्धार** भारत के **जलवायु लक्ष्यों** को प्राप्त करने की दिशा में **महत्त्वपूर्ण कदम** है, जो **कार्बन अवशोषण, स्वच्छ जल** और **बाढ़ जोखिम में कमी** को संभव बनाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **राजस्थान में स्थित मुख्य आर्द्रभूमियाँ:**

संरक्षित क्षेत्र	आर्द्रभूमि
रणथंभौर टाइगर रिज़र्व	• पदम तालाब • रामबाग • मलिक का अनुरोध
जयसमंद वन्यजीव अभयारण्य	• पिलाडर झील
रामगढ़ वन्यजीव अभयारण्य	• भरुआ तालाब • जेतसागर • शंभुसागर
शेरगढ़ वन्यजीव अभयारण्य	• अछोली बाँध • पड़ाकोह तालाब

बालोतरा में नगर सुधार न्यास (UIT)

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान **सरकार ने बाड़मेर से अलग होकर बालोतरा को नया ज़िला** बनाए जाने के बाद वहाँ **नगर सुधार न्यास (Urban Improvement Trust- UIT)** की स्थापना की है।

- इस पहल की घोषणा **2025-26 के राज्य बजट** में की गई थी।

मुख्य बिंदु

- **नगर सुधार न्यास (UIT):**
  - UIT, जिसे ***नगर विकास न्यास* के नाम से भी जाना जाता है, राजस्थान** में एक वैधानिक निकाय है।
  - इसकी स्थापना **राजस्थान नगर सुधार अधिनियम, 1959 के तहत की गई थी।**
- **उद्देश्य:**
  - **नियोजित टाउनशिप और औद्योगिक गलियारों** को प्रोत्साहन देना।
  - आर्थिक विकास में तेज़ी लाना तथा अधिक निवेश आकर्षित करना।
  - **शहरी शासन** को सुव्यवस्थित करना और सार्वजनिक सेवा वितरण को बढ़ाना।
- **बालोतरा में UIT गठन का महत्त्व:**
  - **नियोजित शहरी विकास:**
    - **भारत के सबसे बड़े वस्त्र क्लस्टरों** में से एक बालोतरा में तीव्र औद्योगिक विकास हुआ है तथा UIT का लक्ष्य सतत् और संरचित शहरी विकास सुनिश्चित करके **अनियोजित विस्तार पर अंकुश लगाना है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **बुनियादी ढाँचा विकास:**
  - UIT का अधिकार क्षेत्र प्रमुख बस्तियों, विरासत स्थलों और नए टाउनशिप तक विस्तारित हुआ है, जो आधुनिक शहरी मानकों के अनुरूप सड़क, जल, स्वच्छता और आवास जैसे **बुनियादी ढाँचे के उन्नयन को सक्षम बनाता है।**
- **आर्थिक विकास और निवेश:**
  - राइज़िंग राजस्थान समिट 2024 में बालोतरा की सुदृढ़ निवेशक रुचि इसकी आर्थिक क्षमता को उजागर करती है, जबकि UIT औद्योगिक गलियारों, टाउनशिप और विकास का समर्थन करने के लिये एक संस्थागत ढाँचा प्रदान करेगा।
- **विकेंद्रीकृत शहरी शासन:**
  - विभिन्न तहसीलों और गाँवों को कवर करके, UIT का उद्देश्य **विकेंद्रीकृत शासन को दृढ़ करना** और बेहतर शहरी-ग्रामीण समन्वय के माध्यम से सार्वजनिक सेवा वितरण को बढ़ाना है।

राजस्थान का वस्त्र उद्योग

- **परिचय:**
  - राजस्थान का वस्त्र उद्योग, समृद्ध विरासत और पारंपरिक तथा आधुनिक उत्पादन विधियों की विस्तृत शृंखला के साथ, **राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।**
  - यह विशेष रूप से अपने जीवंत हस्तशिल्प के लिये जाना जाता है, जिसमें **ब्लॉक प्रिंटिंग, टाई-डाई (बाँधनी) और जटिल कढ़ाई शामिल हैं।**
- **मुख्य विशेषताएँ और महत्त्व:**
  - राजस्थान **कपास और ऊन का अग्रणी उत्पादक राज्य है,** जो भारत के समग्र फाइबर उत्पादन में महत्त्वपूर्ण योगदान देता है।
  - वित्त वर्ष 2023 में राजस्थान देश का **चौथा सबसे बड़ा कपास उत्पादक राज्य** होगा।
    - **गुजरात, महाराष्ट्र और तेलंगाना** अन्य प्रमुख कपास उत्पादक राज्य हैं।
  - **भीलवाड़ा, जिसे अक्सर "भारत का वस्त्र शहर (Textile City of India)"** कहा जाता है, राज्य में वस्त्र निर्माण और निर्यात के लिये एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है।
  - यह राज्य प्राचीन वस्त्र तकनीकों जैसे **बाँधनी, लहरिया, कोटा डोरिया और एप्लिक के लिये प्रसिद्ध है।**
  - राजस्थान में वस्त्र उद्योग में हस्त-बुनाई की परंपराओं को आधुनिक मशीनरी के साथ प्रभावी ढंग से संयोजित किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप उच्च गुणवत्ता वाले वस्त्र उत्पादों की विविधतापूर्ण शृंखला उपलब्ध होती है।

राइज़िंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन, 2024

- राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट का आयोजन दिसंबर 2024 में **जयपुर एक्जीबिशन कन्वेंशन सेंटर (JECC), सीतापुरा, जयपुर में किया जाएगा।**
- निवेश **शिखर सम्मेलन का विषय** था **"Replete, Responsible, Ready अर्थात् पूर्ण, ज़िम्मेदार, तैयार",** जिसमें सतत् खनन, जल सुरक्षा और महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप पर चर्चा की गई।
- 32 से अधिक देशों और 20 अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने विषयगत सत्रों और प्रदर्शनियों में भाग लिया, जिसमें राजस्थान की क्षमता का प्रदर्शन किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

ओरण भूमि वन के रूप में वर्गीकृत

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान **सरकार ने सामुदायिक संरक्षित 'ओरण' भूमि को वनों के रूप में वर्गीकृत करने** की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके बाद, इन पवित्र उपवनों को वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत आधिकारिक तौर पर "सामुदायिक रिज़र्व" के रूप **में अधिसूचित किया** जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **ओरण भूमि के बारे में:**
  - 'ओरण' राजस्थान के पवित्र वन क्षेत्र हैं, जो पारंपरिक रूप से ग्रामीण समुदायों द्वारा संरक्षित और प्रबंधित किये जाते हैं।
  - **ये उपवन सामाजिक-धार्मिक परंपरा** के तहत स्थानीय देवताओं को समर्पित हैं।
  - राजस्थान में लगभग **25,000 ओरण स्थल हैं,** जो मिलकर राजस्थान के रेगिस्तानी परिदृश्य में 6 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र को आच्छादित करते हैं।
    - **राजस्थान में ओरण को विभिन्न नामों से भी जाना जाता है, जैसे- देवरा, मालवन, देवराई, रखत बणी, देव घाट, मंदिर वन और बाग**
  - ओरण में बड़ी संख्या में खेजड़ी के पेड़ (*Prosopis cineraria*), **हिरण, काले हिरण और नीलगाय भी पाई जाती हैं जो** राजस्थान के बिश्नोई समुदाय के लिये भी पवित्र हैं।
    - इन ओरण भूमियों में रहने वाले समुदायों ने ऐतिहासिक रूप से **इन वनों को बचाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।**
  - ये भूमि चरागाह को **बढ़ावा देती हैं,** वन उपज प्रदान करती हैं, प्राकृतिक जल निस्पंदन में सहायता करती हैं तथा **पशुधन** अर्थव्यवस्था के माध्यम से आजीविका को बनाए रखती हैं।
- **संबंधित सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय:**
  - 18 दिसंबर 2024 को दिये गए एक ऐतिहासिक फैसले में सर्वोच्च न्यायालय **ने** राज्य सरकार को ओरण भूमि का विस्तृत मानचित्रण करने का निर्देश दिया।
  - सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य को 'ओरांस' को वन के रूप में वर्गीकृत करने के लिये केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (CEC) **की 2005 की सिफारिशों को लागू करने का निर्देश दिया।**
  - हालाँकि, **राजस्थान वन नीति, 2023 में** 'ओरांस' को **सामान्य सामुदायिक भूमि के रूप में वर्गीकृत किया गया है,**जिससे इन वनों को पर्याप्त कानूनी संरक्षण नहीं मिल पाता और वे अतिक्रमण व पारिस्थितिक क्षरण के प्रति संवेदनशील हो जाते हैं
    - सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय औपचारिक वन वर्गीकरण के माध्यम से कानूनी सुरक्षा उपायों को मज़बूत करके **इन अंतरालों को दूर करता है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972:

- वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 जंगली जानवरों और **पौधों की विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण**, उनके आवासों के प्रबंधन, जंगली जानवरों, पौधों तथा उनसे बने उत्पादों के व्यापार के विनियमन एवं नियंत्रण के लिये **एक कानूनी ढाँचा प्रदान करता** है।
- यह अधिनियम उन पौधों और जानवरों की अनुसूचियों को भी सूचीबद्ध करता है, जिन्हें सरकार द्वारा अलग-अलग स्तर की सुरक्षा तथा निगरानी प्रदान की जाती है।

केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (CEC)

- **परिचय:**
  - केंद्रीय **अधिकार प्राप्त समिति (CEC) का गठन मूलत:** सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वर्ष **2002 में किया गया** था तथा बाद में वर्ष **2008 में इसका पुनर्गठन किया गया था।**
  - यह पर्यावरण संरक्षण तथा न्यायालय के निर्देशों और पर्यावरण कानूनों के अनुपालन की **निगरानी के लिये एक तदर्थ निगरानी निकाय के रूप में कार्य करता था।**
- **सुधार:**
  - **केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की वर्ष 2023 की अधिसूचना** के अनुसार, CEC को **एक स्थायी वैधानिक निकाय में परिवर्तित करने का प्रस्ताव है।**
  - इस कदम का उद्देश्य CEC को दीर्घकालिक आधार पर प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दों को संभालने के लिये संस्थागत निरंतरता और कानूनी अधिकार प्रदान करना है।

केर सांगरी को GI टैग प्राप्त

चर्चा में क्यों ?

राजस्थान की लोकप्रिय व्यंजन **केर सांगरी** को भौगोलिक संकेत (GI) टैग मिला है, जो इसे पारंपरिक तरीके से बनाए जाने वाले विशिष्ट क्षेत्रीय उत्पाद के रूप में मान्यता देता है।

मुख्य बिंदु

- **केर सांगरी के बारे में:**
  - केर सांगरी एक **पारंपरिक राजस्थानी व्यंजन है,** जो दो देशी रेगिस्तानी पौधों से बनाया जाता है:
    - **केर** – एक छोटा, जंगली बेरी।
    - **सांगरी** – एक बींस की तरह फलने वाला फल हैं, जो खेजड़ी के पेड़ पर उगता है। यह शुष्क क्षेत्रों का स्वदेशी वृक्ष है।
  - ये सामग्री थार के सूखे, रेतीले इलाके में प्राकृतिक रूप से उगती हैं।
  - ऐतिहासिक रूप से, केर **सांगरी सूखे के समय जीवित रहने वाले खाद्य के रूप में विकसित हुई थी,** जब ताज़ी सब्जियाँ उपलब्ध नहीं होती थीं।
  - समय के साथ, यह व्यंजन राजस्थान का लोकप्रिय व्यंजन और सांस्कृतिक प्रतीक बन गया।
  - **खेजड़ी का पेड़**, जिससे सांगरी प्राप्त होती है, **सांस्कृतिक और पारिस्थितिक दृष्टि से** अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह बिश्नोई समुदाय द्वारा पवित्र माना जाता है, जिसने सदियों से इस पेड़ को जीवन और स्थिरता के प्रतीक के रूप में संरक्षित रखा है।

- **केर सांगरी के लिये GI टैग का महत्त्व:**
  - यह इसके **प्रामाणिकता को नकली या घटिया उत्पादों से बचाता है**।
  - यह **स्थानीय किसानों और कारीगरों को उचित सम्मान और पारिश्रमिक दिलाने में सहायक** है।
- **राजस्थान के अन्य GI-टैग उत्पाद:**
  - राजस्थान अपने समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और हस्तकला के लिये कई **GI टैग प्राप्त उत्पादों** के लिये प्रसिद्ध है। इनमें प्रमुख हैं: **सोजत मेहंदी, बीकानेरी भुजिया, कोटा डोरिया, जयपुर की ब्लू पॉटरी, मोलेला माटी के काम, राजस्थान की कठपुतलियाँ, सांगानेरी हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग, बागड़ू हैंड ब्लॉक प्रिंट, थेवा कला, पोकरण मिट्टी के बर्तन, नाथद्वारा पिचवाई चित्रकला, उदयपुर की कोफ्तगारी धातु कला, बीकानेर कशीदाकारी, जोधपुर बंदेज कारीगरी, बीकानेर उस्ताद कला और मकराना संगमरमर**।

भौगोलिक संकेतक (GI) टैग

- **परिचय:**
  - भौगोलिक संकेत (GI) टैग, एक ऐसा **नाम या चिह्न** है जिसका **उपयोग उन विशेष उत्पादों पर किया जाता है** जो किसी विशिष्ट भौगोलिक स्थान या मूल से संबंधित होते हैं।
  - GI टैग यह सुनिश्चित करता है कि केवल **अधिकृत उपयोगकर्त्ताओं या भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाले लोगों** को ही लोकप्रिय उत्पाद के नाम का उपयोग करने की अनुमति है।
    - यह उत्पाद को दूसरों द्वारा नकल या अनुकरण किये जाने से भी बचाता है।
  - एक पंजीकृत GI टैग **10 वर्षों के लिये वैध** होता है।
  - GI पंजीकरण की देखरेख वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय के अधीन **उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग** द्वारा की जाती है।
- **विधिक ढाँचा:**
  - **वस्तुओं का भौगोलिक उपदर्शन (रजिस्ट्रीकरण और संरक्षण) अधिनियम, 1999**
  - **बौद्धिक संपदा अधिकार के व्यापार-संबंधित पहलुओं (TRIPS) पर WTO समझौते** द्वारा विनियमित एवं निर्देशित है।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :